SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

.

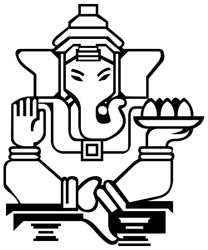

keÀ [uee keÀ Òecee Ke e®evn

♈ मेष	♂	मंगल	अग्नि	चर	टेढ़ा	वक्री
♉ वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेखांकित	शत्रु-घर
♊ मिथुन	☿	बुध	वायु	द्विस्वभाव	[ekeÀ	मित्र-घर
♋ कर्क	☾	चंद्र	जल	चर		अस्त
♌ सिंह	☉	सूर्य	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
♍ कन्या	☿	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
♎ तुला	♀	शुक्र	वायु	चर		
♏ वृश्चिक	♂	मंगल	जल	स्थिर	+	मित्र
♐ धन	♃	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	-	शत्रु
♑ मकर	♄	शनि	पृथ्वी	चर	*	सम
♒ कुंभ	♄	शनि	वायु	स्थिर	++	अधिमित्र
♓ मीन	♃	गुरु	जल	द्विस्वभाव	--	अधिशत्रु

Note : All Vimshotari and Ashtotari Dasa dates specify the ending dates of Dasa.

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Module : DCP-4, Ayanamsa : CP

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

लिंग	:	पुरुष	अयनांश	:	23:14:40
जन्म तारीख	:	28/10/1955	सी.पी. / के.पी.	:	CP
जन्म दिन	:	शुक्रवार	सूर्योदय	:	06:48:34
जन्म समय	:	20:58:00	सूर्यास्त	:	16:59:18
इष्टकाल (घटी)	:	35:23:34	शक सवंत्	:	1877
स्थान	:	SEATTLE/WASHINGTON			
देश	:	USA	चंद्र राशि (पाया)	:	मीन (तांबा)
अक्षांश	:	047:35:N	राशि अक्षर	:	द च ञ थ
रेखांश	:	122:21:W	सूर्य राशी(पाश्चात्य)	:	वृश्चिक
मध्य रेखांश	:	-08:00	तिथि	:	शुक्ल - 13
स्थानिक समय संस्कार	:	-0:9:23	नक्षत्र	:	उ.भाद्र(4)
स्थानिक समय	:	20:48:37	नक्षत्र अक्षर	:	था
युद्ध समय संस्कार	:	00.00.00	नक्षत्र पाया	:	तांबा
ग्रीष्म समय संस्कार	:	00.00.00	योग	:	हर्षण
सांपत्तिक काल	:	23:15:38	करण	:	तैतिल
अयन	:	दक्षिण	ऋतु	:	शरद
गोल	:	दक्षिण	Module	:	DCP-4
विंशोत्तरी भोग्यदशा	:	शनि - 03 - 02 - 23	हिन्दू महिना (का.)	:	2011 - अश्विन
अष्टोत्तरी भोग्यदशा	:	राहु - 09 - 06 - 04	हिन्दू महिना (चै.)	:	2012 - अश्विन

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

"Maa Butbhavani Namah"

PURE DATA BANK™
COMPUTERISED HOROSCOPE & MUHURUTHA)

13 NEW ABHAY APPT, OPP HANUMAN MANDIR
MAHARANA PRATAP RD, BHAYANDAR (W) - 401101
Tel : (91-22) 28193069 / 28192145 (M) 98202 00726
www.puredatabank.com
E-mail : puredatabank@satyam.net.in

E-Kundli (763)

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

.

			Deej Ye		Dele	
			eOveekeÀ	mece³e	eOveekeÀ	mece³e
राशी		कुंभ	25/10/1955	12:51	27/10/1955	19:54
	✔	ceeve	**27/10/1955**	**19:54**	**29/10/1955**	**23:18**
		मेष	29/10/1955	23:18	01/11/1955	00:26
तिथी		शुक्ल12	27/10/1955	05:51	28/10/1955	04:50
	✔	Mekeþue13	**28/10/1955**	**04:50**	**29/10/1955**	**03:07**
		शुक्ल14	29/10/1955	03:07	30/10/1955	00:49
नक्षत्र		पू.भाद्र	27/10/1955	02:00	28/10/1955	01:47
	✔	G.Yeeê	**28/10/1955**	**01:47**	**29/10/1955**	**00:50**
		रेवती	29/10/1955	00:50	29/10/1955	23:18
योग		व्याघात	27/10/1955	18:44	28/10/1955	16:26
	✔	n<eCe	**28/10/1955**	**16:26**	**29/10/1955**	**13:37**
		वज्र	29/10/1955	13:37	30/10/1955	10:23
करण		कौलव	28/10/1955	04:50	28/10/1955	16:04
	✔	leeleþ }	**28/10/1955**	**16:04**	**29/10/1955**	**03:07**
		गर	29/10/1955	03:07	29/10/1955	14:02

me³eeO³e Hej (28/10/1955)

jeeMe	eleLee	ve#e$e	³eeie	keÀjCe
मीन	शुक्ल 13	उ.भाद्र	व्याघात	कौलव

DeJekeÀn[e ®e¬eÀ

योग	हर्षण
करण	तैतिल
वर्ण	ब्राह्मण
तत्व	वारि
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
योनी	गौ
गण	मनुष्य
युंजा	अंत्य
नाड़ी	मध्य

leeleþ ®e¬eÀ

राशि	मीन
मास	फाल्गुन
तिथि	5-10-15
दिवस	शुक्रवार
नक्षत्र	आश्लेशा
योग	वज्र
करण	चतुष्पाद
प्रहर	4
चंद्र	कुंभ
स्त्रीचंद्र	कुंभ

mee{ meeleer eJe®eej

साढेसाती	27/01/1964	-	28/04/1971
छोटी पनोती	10/06/1973	-	23/07/1975
छोटी पनोती	06/10/1982	-	17/09/1985
साढेसाती	05/03/1993	-	07/06/2000
छोटी पनोती	23/07/2002	-	26/05/2005
छोटी पनोती	15/11/2011	-	02/11/2014

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

eve j ³eve mHeä ûen - ueive keÀ [uee

ûen	jeMee DeMe	emLeele	ve#e$e	je mJee	ve mJee	G mJee	DeJemLee
लग्न	मिथुन 21:32:16	-	पुनर्वसु(1)	बुध	गुरु	गुरु	–
रवि	तुला 11:45:07	-	स्वाती(2)	शुक्र	राहू	शनि	कुमार
चंद्र	मीन 14:23:59	-	उ.भाद्र(4)	गुरु	शनि	राहू	युवा
मंगल	कन्या 16:50:48	-	हस्त(3)	बुध	चंद्र	शनि	युवा
बुध	कन्या 23:18:55	-	हस्त(4)	बुध	चंद्र	रवि	कुमार
गुरु	सिंह 04:32:05	-	मघा(2)	रवि	केतु	चंद्र	बाल
शुक्र	तुला 26:56:02	-	विशाखा(3)	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
शनि	तुला 28:20:27	-	विशाखा(3)	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
राहू	वृश्चिक 26:13:28	वक्रि	ज्येष्ठा(3)	मंगल	बुध	गुरु	बाल
केतु	वृषभ 26:13:28	वक्रि	मृग(1)	शुक्र	मंगल	गुरु	बाल
हर्षल	कर्क 09:02:39	-	पुष्य(2)	चंद्र	शनि	शुक्र	वृद्ध
नेप.	तुला 04:59:47	-	चित्रा(4)	शुक्र	मंगल	रवि	बाल
प्लुटो	सिंह 05:06:13	-	मघा(2)	रवि	केतु	मंगल	बाल
मांदी	सिंह 10:00:12	-	मघा(4)	रवि	केतु	शनि	–
भा.-सहंम	वृश्चिक 24:11:08	-	ज्येष्ठा(3)	मंगल	बुध	राहू	–

ûen	ieele	Mej	¬eÀeele	DemIe	DeJemLee	YeeJe
रवि	00:59:55	00:00:00	-13:11:24	–	नीच	–
चंद्र	14:12:10	04:51:33	07:29:44	–	–	–
मंगल	00:38:32 मध्यम	00:59:13	-03:05:22	–	–	–
बुध	01:01:43 मध्यम	02:03:43	-04:36:24	–	उच्च	स्वग्रही
गुरु	00:08:15 मध्यम	00:45:30	12:57:33	–	–	–
शुक्र	01:14:48 शीघ्र	00:08:01	-17:39:50	–	–	स्वग्रही
शनि	00:06:58 शीघ्र	01:58:12	-16:15:39	–	उच्च	–
राहू	-00:03:10	00:00:00	00:00:00	–	–	–
केतु	-00:03:10	00:00:00	00:00:00	–	–	दुर्बल

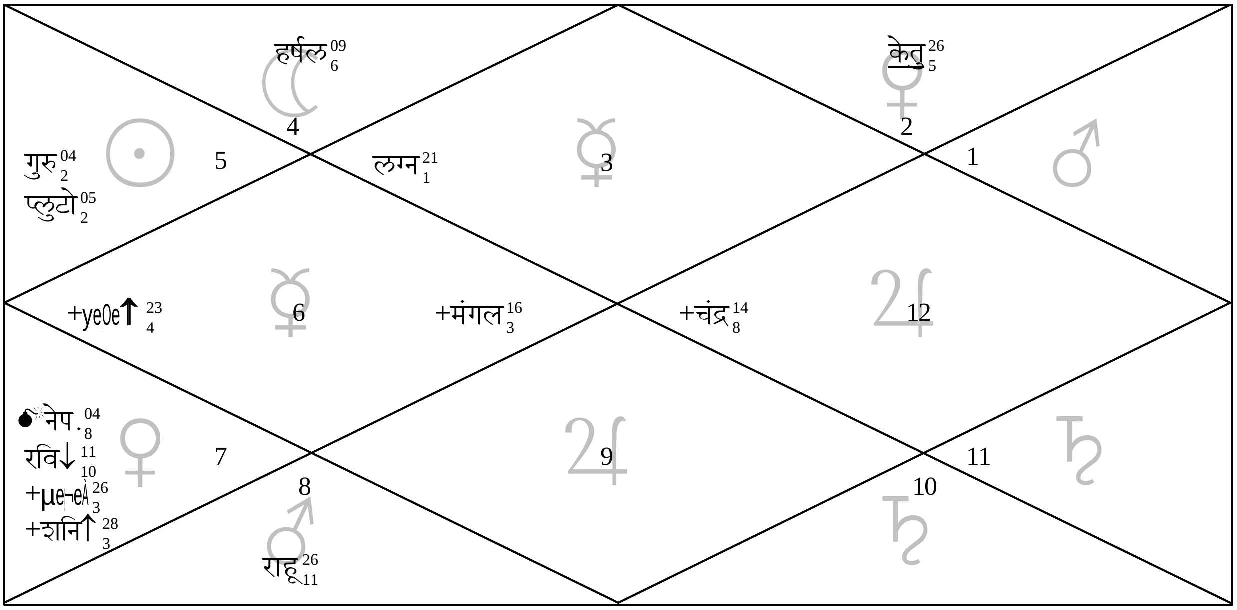

मंगलिक

अर्ध काल-सर्प योग

+चिन्ह ग्रह की दिशा चलित कुण्डली में अग्रिम भाव में निर्धारित करता है

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

®eeuele keÀ [uee

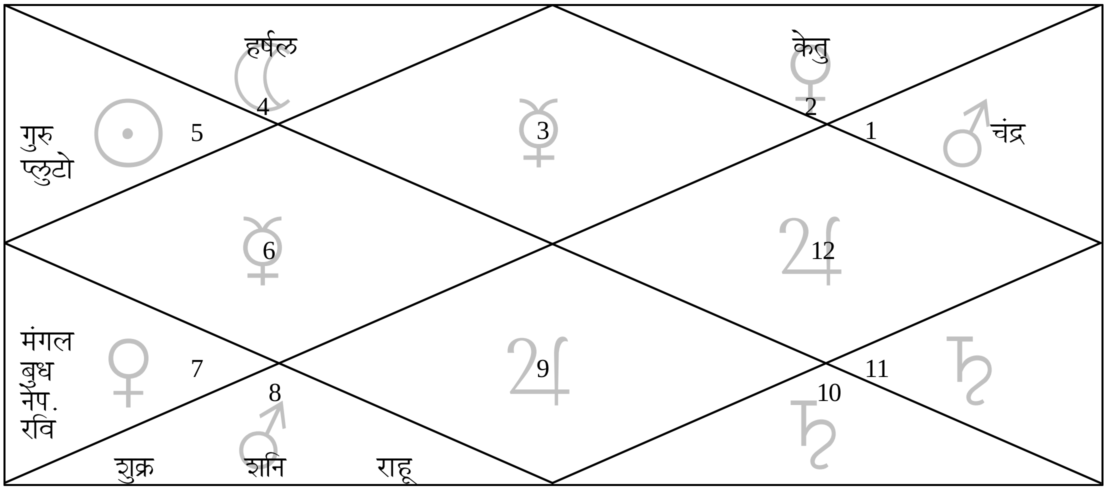

®eeuele YeeJe keÀmHe YeeJe

YeeJe	Dee j Ye		ceO³e		keÀmHe YeeJe		j e mJee	ve mJee	G mJee
1	मिथुन	02:03:49	मिथुन	21:32:16	मिथुन	21:32:16	बुध	गुरु	गुरु
2	कर्क	02:03:49	कर्क	12:35:21	कर्क	08:36:00	चंद्र	शनि	शुक्र
3	कर्क	23:06:54	सिंह	03:38:27	कर्क	28:35:58	चंद्र	बुध	शनि
4	सिंह	14:10:00	सिंह	24:41:32	सिंह	24:41:32	रवि	शुक्र	बुध
5	कन्या	14:10:00	तुला	03:38:27	तुला	00:54:09	शुक्र	मंगल	बुध
6	तुला	23:06:54	वृश्चिक	12:35:21	वृश्चिक	14:13:14	मंगल	शनि	राहू
7	धनु	02:03:49	धनु	21:32:16	धनु	21:32:16	गुरु	शुक्र	गुरु
8	मकर	02:03:49	मकर	12:35:21	मकर	08:36:00	शनि	रवि	शुक्र
9	मकर	23:06:54	कुंभ	03:38:27	मकर	28:35:58	शनि	मंगल	शनि
10	कुंभ	14:09:59	कुंभ	24:41:32	कुंभ	24:41:32	शनि	गुरु	बुध
11	मीन	14:09:59	मेष	03:38:27	मेष	00:54:09	मंगल	केतु	शुक्र
12	मेष	23:06:54	वृषभ	12:35:21	वृषभ	14:13:14	शुक्र	चंद्र	गुरु

keÀmHe keÀ [uee

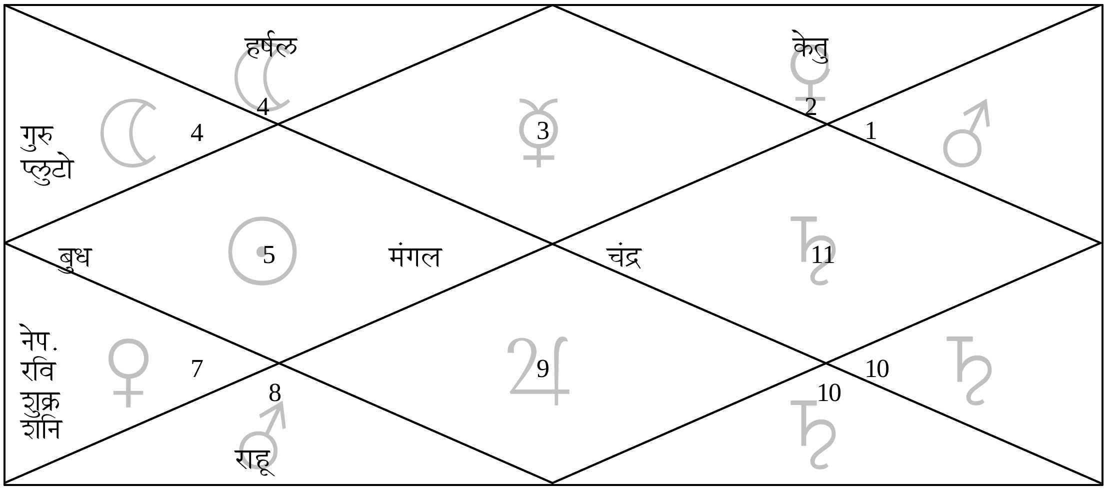

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

lee j e®e-eÀ

.

pevce	mecHele	eJeHele	#ece	Òel³e j e	mee0ekeÀ	Je0e	ce$ee	Dee0e-ce$ee
उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	आश्लेशा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूळ	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र

®eê j eeMe keÀ [uee

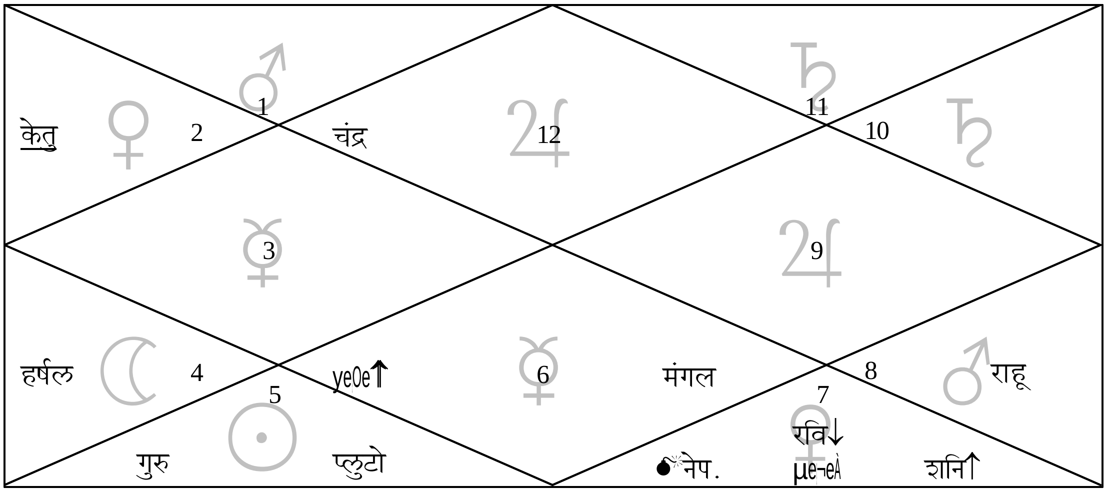

veJeceeMe keÀ [uee

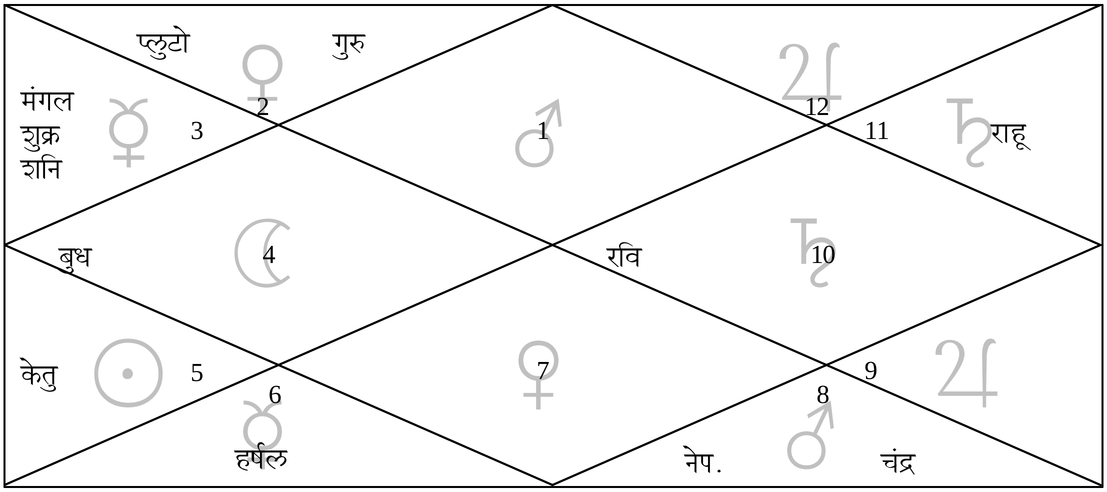

®eê >>> ceieue >>> ye0e >>> ®eê

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

He®e0ee ce$ee ®e¬eÀ

vemeeiekeÀ ce$ee ®e¬eÀ

	me³e	®eê	ceieue	ye0e	ie©	Me¬eÀ	Meeve	jen	keÀle
me³e	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
®eê	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
ceieue	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
ye0e	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
ie©	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
Me¬eÀ	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
Meeve	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
jen	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
keÀle	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

leelkeÀeeuekeÀ ce$ee ®e¬eÀ

	me³e	®eê	ceieue	ye0e	ie©	Me¬eÀ	Meeve	jen	keÀle
me³e	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
®eê	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
ceieue	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
ye0e	मित्र	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
ie©	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
Me¬eÀ	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु
Meeve	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु
jen	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु
keÀle	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---

He®e0ee ce$ee ®e¬eÀ

	me³e	®eê	ceieue	ye0e	ie©	Me¬eÀ	Meeve	jen	keÀle
me³e	---	सम	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
®eê	सम	---	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु	सम
ceieue	अधिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
ye0e	अधिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	---	मित्र	अधिमित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
ie©	अधिमित्र	सम	अधिमित्र	सम	---	सम	मित्र	मित्र	मित्र
Me¬eÀ	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	मित्र	---	सम	अधिमित्र	सम
Meeve	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	मित्र	सम	---	अधिमित्र	अधिशत्रु
jen	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	---	अधिशत्रु
keÀle	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	---

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

meoMeve ®e¬eÀ

ueive keÀC [uee

jeMee keÀC [uee

me³e keÀC [uee

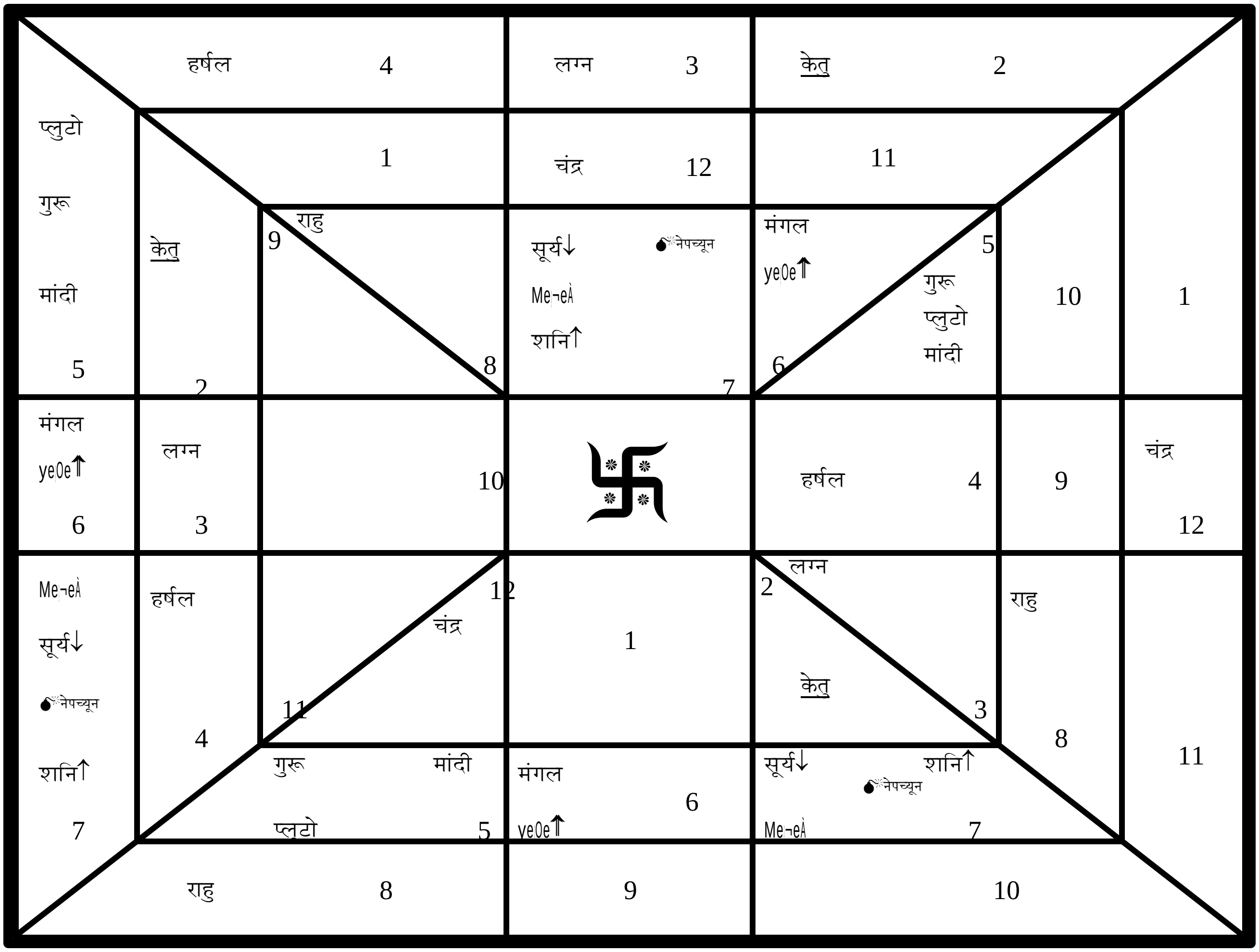

सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्त - वृत तक जन्मांग, चंद एंव कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिती दर्शाती है। किसी भाव का विचार करने के लिए भाव को प्रगट करने वाली तीनो राशियों का विचार करना चाहिए।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

eJeµeeÊe je ceneoµee (Yeei³e oMee -- µeeve - **3** meeue, **2** cenevee, **23** eove)

	µeeve--**20/01/1959**		ye0e--**20/01/1976**		keÀle--**20/01/1983**		µe¬eÀ--**20/01/2003**		me³e--**20/01/2009**
	--		बुध 18/06/1961		केतु 18/06/1976		शुक्र 22/05/1986		सूर्य 10/05/2003
	--	-	केतु 15/06/1962	*	शुक्र 18/08/1977	--	सूर्य 22/05/1987	*	चंद्र 08/11/2003
	--	++	शुक्र 15/04/1965	--	सूर्य 24/12/1977	--	चंद्र 20/01/1989	++	मंगल 15/03/2004
	--	++	सूर्य 19/02/1966	*	चंद्र 25/07/1978	+	मंगल 22/03/1990	*	राहु 07/02/2005
	--	--	चंद्र 22/07/1967	*	मंगल 21/12/1978	++	राहु 22/03/1993	++	गुरु 26/11/2005
	--	-	मंगल 18/07/1968	--	राहु 08/01/1980	+	गुरु 21/11/1995	--	शनि 08/11/2006
	--	+	राहु 04/02/1971	+	गुरु 14/12/1980	*	शनि 20/01/1999	+	बुध 15/09/2007
*	राहु 09/07/1956	+	गुरु 12/05/1973	--	शनि 23/01/1982	++	बुध 20/11/2001	--	केतु 20/01/2008
++	गुरु 20/01/1959	+	शनि 20/01/1976	-	बुध 20/01/1983	*	केतु 20/01/2003	--	शुक्र 20/01/2009

	®eê--**20/01/2019**		ceieue--**20/01/2026**		jen--**20/01/2044**		ie©--**20/01/2060**
	चंद्र 20/11/2009		मंगल 18/06/2019		राहु 02/10/2028		गुरु 10/03/2046
-	मंगल 21/06/2010	*	राहु 06/07/2020	+	गुरु 26/02/2031	+	शनि 20/09/2048
--	राहु 21/12/2011	++	गुरु 12/06/2021	++	शनि 02/01/2034	*	बुध 27/12/2050
-	गुरु 21/04/2013	+	शनि 22/07/2022	+	बुध 21/07/2036	+	केतु 03/12/2051
-	शनि 20/11/2014	--	बुध 19/07/2023	--	केतु 09/08/2037	*	शुक्र 03/08/2054
*	बुध 21/04/2016	*	केतु 15/12/2023	++	शुक्र 08/08/2040	++	सूर्य 22/05/2055
*	केतु 20/11/2016	+	शुक्र 13/02/2025	*	सूर्य 03/07/2041	*	चंद्र 20/09/2056
-	शुक्र 22/07/2018	++	सूर्य 21/06/2025	--	चंद्र 02/01/2043	++	मंगल 27/08/2057
*	सूर्य 20/01/2019	*	चंद्र 20/01/2026	*	मंगल 20/01/2044	+	राहु 20/01/2060

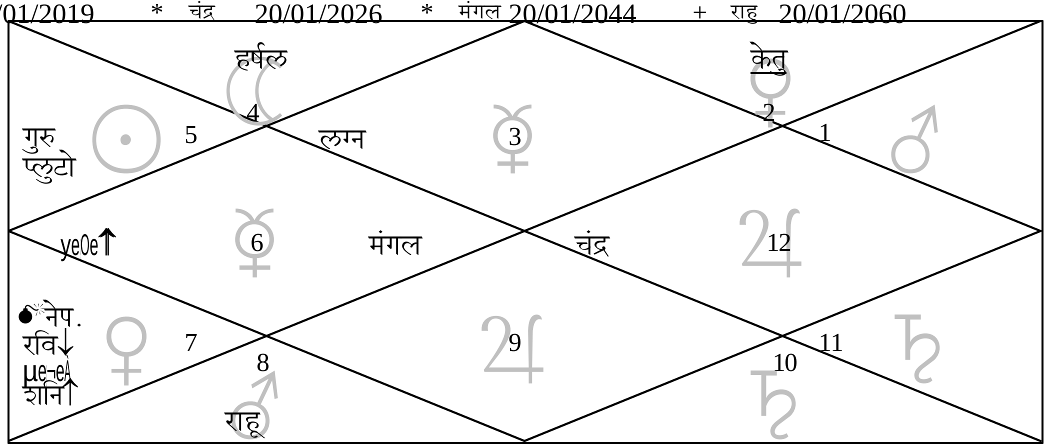

DeäeÊe je cene oMee (Yeei³e oMee -- jen - **9** meeue, **6** cenevee, **4** eove)

	jen--**02/05/1965**		Me¬eÀ--**02/05/1986**		me³e--**02/05/1992**		®eê--**03/05/2007**
	राहु		शुक्र 01/06/1969		सूर्य 01/09/1986		चंद्र 02/06/1994
++	शुक्र 31/12/1956	--	सूर्य 02/08/1970	*	चंद्र 02/07/1987	-	मंगल 13/07/1995
*	सूर्य 01/09/1957	--	चंद्र 02/07/1973	++	मंगल 12/12/1987	*	बुध 21/11/1997
--	चंद्र 03/05/1959	+	मंगल 21/01/1975	+	बुध 21/11/1988	-	शनि 12/04/1999
*	मंगल 22/03/1960	++	बुध 12/05/1978	--	शनि 12/06/1989	-	गुरु 01/12/2001
+	बुध 10/02/1962	*	शनि 22/04/1980	++	गुरु 02/07/1990	--	राहु 02/08/2003
++	शनि 23/03/1963	+	गुरु 01/01/1984	*	राहु 03/03/1991	-	शुक्र 02/07/2006
+	गुरु 02/05/1965	++	राहु 02/05/1986	--	शुक्र 02/05/1992	*	सूर्य 03/05/2007

	ceieue--**03/05/2015**		ye0e--**02/05/2032**		Meeve--**02/05/2042**		ie©--**02/05/2061**
	मंगल 05/12/2007		बुध 04/01/2018		शनि 05/04/2033		गुरु 04/09/2045
--	बुध 09/03/2009	+	शनि 02/08/2019	+	गुरु 08/01/2035	+	राहु 15/10/2047
+	शनि 04/12/2009	+	गुरु 29/07/2022	++	राहु 17/02/2036	*	शुक्र 26/06/2051
++	गुरु 03/05/2011	+	राहु 18/06/2024	*	शुक्र 28/01/2038	++	सूर्य 15/07/2052
*	राहु 22/03/2012	++	शुक्र 08/10/2027	--	सूर्य 19/08/2038	*	चंद्र 06/03/2055
+	शुक्र 11/10/2013	++	सूर्य 17/09/2028	--	चंद्र 08/01/2040	++	मंगल 01/08/2056
++	सूर्य 23/03/2014	--	चंद्र 28/01/2031	*	मंगल 04/10/2040	*	बुध 29/07/2059
*	चंद्र 03/05/2015	-	मंगल 02/05/2032	++	बुध 02/05/2042	+	शनि 02/05/2061

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

Meejeejke ieþve, J³eekeleIJe, DeekeÀele SJe ÒeekeÀele

आप मिथुन लग्न में उत्पन्न हुए है अतः स्वभाव से आप विनम्र उदार तथा हास्य प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। साथ ही चेहरे से ही बुद्धिमानी की झलक परिलक्षित होंगी। दूसरे के मन की बात जानने में आप चतुर रहेंगे अतः सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही हंसी मजाक करना भी आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेंगी। आप में चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा किसी नए विचार के आते ही आपकी आंखों में विशेष प्रकार की चमक उत्पन्न होंगी।

आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेंगा तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति आपके मन में सहयोग की भावना रहेगी तथा सम समय पर उनको अपना पूर्ण सहयोग तथा सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही सहनशीलता का भाव भी आप में विद्यमान रहेंगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग अथवा राजनैतिक नेताओं से भी आपके संबध रहेंगे जिनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा तथा शीघ्र प्रत्युत्तर देने में भी दक्षता का परिचय देंगे। भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। धनऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे परंतु शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य को अत्यंत ही सोच विचार करके धीरे धीरे सम्पन्न करेंगे।

कला या संगीत के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेंगी तथा प्रयत्न पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसे सच्चाई एवं ईमानदारी से पूर्ण करेंगे। अपने मन के आंतरिक भाव को आप सर्वदा गुप्त रखेंगे तथा नए सिद्धांतों का भी प्रतिपादन करेंगे। आप एक विदुषी व्यक्ति भी होंगे तथा शास्त्रो के अध्ययन में भी आपकी रूचि रहेंगी। व्यापार लेखा या कानून संबधी कार्यो में दक्षता प्राप्त करेंगे। इससे आप जीवन में सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सकते है। मित्रों के आप प्रिय रहेंगे तथा उनके कल्याण के लिए सर्वदा यत्नशील रहेंगे। आप समयानुसार सिद्धांत परिवर्तन में विश्वास करेंगे तथा किसी एक सिद्धांत पर अटल रहना आप बुद्धिमानी नहीं समझेंगे। अतः आधुनिक राजनीति के क्षेत्र में आपको वांछित सफलता मिल सकती है साथ ही प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से आप सरकार के कामों में अपना योगदान दे सकते है।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

Oeve, HeejJeej, DeeKe SJe JeeCee

आप की जन्म कुण्डली में द्वितीय भाव में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चंद्रमा है। इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा अधिक वार्तालाप भी करेंगे। समाज में आप एक सम्माननीय व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों से आपको यथोचित मान सम्मान मिलेगा। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं सधुर रहेगी। जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेंगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोंगो के समक्ष प्रस्तुत करेंगे जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे।

पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेंगी तथा परिवार कि शांति तथा खुशहाली के लिए आप नित्य प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होंगी। आप सामान्यतया सुंदर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रूचिशील रहेंगे लेकिन मिष्ठान आपका विशेष प्रिय रहेंगा परंतु इसके अधिक उपगोय से आपको कोई शारीरिक परेशानी भी हो सकती है। पुत्रों का आप के प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा वे आपकी सेवा तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे। परिवार में समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करते रहेंगे। आप अपने विचारों के लिए हमेशा ठोस तर्को को प्रस्तुत करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

Heje-eÀce, meneoj, ÒekeÀeMeve, ueÒe³ee$eeS

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप एक आदर्श, विशालह्रदय एवं साहसी व्यक्ति होंगे। आपका अपने संबधियों, मित्रों एवं भाई बहिनों के प्रति पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे तथा उनकी सेवा करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप प्रशासनिक या कोई उच्चाधिकार प्राप्त पद अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके साथ ही भाई बहनो से आज्ञा पालन तथा कर्तव्य परायणता के भाव की सर्वदा अपेक्षा करेंगे यदि वे ऐसा नहीं करते तो आप अत्यंत ही क्रोध का प्रदर्शन भी करेंगे। पारिवारिक शांति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूलने की सीमा तक क्षमा कर देंगे।

आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी तथा किसी को भी एक बार देख या उसके बारे में सुनकर उसे काफी समय तक याद रखेंगे। उच्च शिक्षा, दर्शन शास्त्र या लेखन संबधी कार्यो में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक इनका अध्ययन करने में तत्पर रहेंगे। प्रकाशन के क्षेत्र में भी आपकी रूचि रहेंगी इसके अतिरिक्त एक योग्य सूचना अधिकारी या संवाददाता के रूप में भी सफल हो सकती है। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, दूरदर्शन या वाहन आदि से युक्त सहेंगे एवं आनंद पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप नीती संबधी ज्ञान भी रखेंगे तथा समाचारपत्र पत्राचार या लेखन से भी आपको लाभ होंगा संगीत के प्रति भी आपकी रूचि रहेंगी तथा अवसरानुकूल इनसे अपना मनोरंजन करेंगे। आपकी दूर समीप की यात्राएं भी समय समय पर होती रहेंगी तथा इससे आपको ख्याति तथा धनार्जन भी होगा।

जिस जातक के जन्म समय में गुरु तीसरे स्थान में होता है, उसे सगे भाईयों तथा मित्रों का सुख मिलता है, परंतु यह उनका उपकार नहीं मानता। उनके प्रति यह विपरीत भाव रखता है।यह विश्‍वसनीय होता है। राजा से धन पाकर भी सुखोपभोग नहीं कर पाता। यह कृपण, अनुदार तथा लोभी होता है। यह धनवान होकर भी धनहीन जैसा होता है। यह जातक लोभी होता है। यह चतुर होता है। संकल्प करके जिस काम में लगता है, वह पूरा होता है। यह जातक गुरु की विपरीत स्थिति होने से नुकसान भी उठाता है।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

ceeIee, Jeenve, YeeeIekeÀ Séé³e, pee³eoeo SJe eMe#ee

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी माता जी एक बुद्धिमत्ती महीला होंगी तथा परस्पर सांमजस्य रखने में अत्यन्त ही दक्ष रहेगी। उनकी आपसी समझबूझ की शक्ति भी प्रबल रहेगी तथा अपने कर्तव्यों को पूर्ण रूप से पालन करेंगी। परिवार की ओर से वे चिन्तित रहेंगी तथा इनकी शांति एवं खुशहाली के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी परंतु जीवन साथी से यदा कदा कई मत भेद भी हो सकते है। बच्चों के प्रति उनका पूर्ण भावनात्मक लगाव रहेंगा तथा प्रत्येक्ष रूप से इसका प्रदर्शन अल्प मात्रा में करेंगी जिससे यदा कदा आपके मन में गलतफहमियां हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अल्प समय के लिए होगा। इसके अतिरिक्त माता के सहयोग से आप वाहन आदि का सुख भी प्राप्त करेंगे तथा पैतृक सम्पति से भी युक्त रहेंगे।

आपको छोटा घर या आवस स्थल पसंद नहीं होगा एवं बड़े मकान की इच्छा होंगी जिसे अच्छी तरह सजाकर के आकर्षक एवं सुंदर बनाएँगे। उनकी सफाई सजावट में आपकी पूर्ण रूचि रहेंगी तथा आधुनिक भौतिक उपकरणों से सुसज्जित करके उसको सुंदर बनाएंगे। घर में आपको आनंद एवं शांति की अनुभूति होंगी। आपकी कई विषयों में ज्ञानार्जन की रूचि रहेंगी तथा वाणिज्य, लेखन या गणित के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके अतिरिक्त आप धनवान व्यक्ति होंगे परंतु मित्रों से विशेष सहयोग अल्प ही मिलेगा साथ ही चोरी या वशीकरण आदि तान्त्रिक मंत्रो से कोई परेशानी भी हो सकती है। उच्चशिक्षा अर्जित करते समय आपको कोई व्यवधान हो सकता है तथापि व्यवधनों पर आप विजय प्राप्त करेंगे तथा उच्चशिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल चौथे भाव में होता है, उसे राजा से वस्त्र, भूमि, मान सम्मान मिलता है। उसे अपने मित्रों, बन्धु-बान्धवों आदि से सुख प्राप्त न होने की संभावना है। शत्रुओं से भय रहता है। उसे वाहन से दुःख मिलता है, उसे रोग घेरे रहने की संभावना है। उसका शरीर निर्बल होता है, तथा उसमें साहनशक्ति नहीं होती। यह जातक देश-परदेश में फिरता है, इसे कहीं पर भी स्थिरता और चित्त शान्ति नहीं मिलती, यह विलासी और लोभ वाला होता है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध चौथे भाव में होता है, वह उत्तम मित्रों से विभूषित रहता है। वह नेता और राज्य मान्य अधिकारी होता है इसे पैतृक धन प्राप्त नहीं होता है। इसके परिवार के लोग इसका विशेष आदर करते है। यह अपने बाहुबल से अर्थोपार्जन करता है। जातक धनी, वाहनों से युक्त, संगीत में प्रवीण -प्रवासी और बुद्धिमान होता है। यह गणित शास्त्र का जानने वाला और चाटुकारिता की वाणी बोलने में प्रवीण होता है। इससे प्रायः सभी प्रसन्न रहते है। इसके कई स्त्रियाँ हो सकती है। इसको पुत्र सुख भरपूर होता है। तथा धन धान्य

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

ceelee, Jeenve, YeeelekeÀ Séé³e, pee³eoeo SJe eMe#ee

पूर्ण होने से आलसी होता है। अन्य मत से विशेष स्थिति ऐसी भी होती है, जब चौथे भाव का बुध जातक को क्रोध ज्यादा होता है।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

yee× , mevIeeve SJe 0eCe³e mecyev0e

आपके जन्म समय में पंचम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप आधुनिक विचारों के व्यक्ति होंगे तथा मन उदारता एवं सज्जनता का भाव भी विद्यमान रहेंगा। आपका मन प्रेम तथा स्नेह के भाव से युक्त रहेंगा तथा समस्त जनों से आप के मधुर संबध रहेंगे। जीवन में आप के रहन सहन का स्तर उच्च रहेगा तथा आधुनिक सुख साधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोंग करेंगे। आप महत्वकांक्षी रहेंगे। अतः इच्छा वैभिन्य से जीवन साथी से मतभेद हो सकते है। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा जीवन की खुशहाली तथा वैभव आदि अपनी बुद्धिमत्ता से ही अर्जित करेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप में वाक् सिद्धि, कल्पनाशीलता का भाव, वैदिक ज्ञान ओर की रूचि तथा सही दिशा में सोचने की शक्ति विद्यमान रहेंगी।

संतति से आप युक्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। परंतु उनकी शिक्षा दीक्षा शादी या रोजगार संबधी समस्याओं के कारण आप चिन्ता की अनुभूति कर सकते है परंतु इसका प्रभाव अल्प रहेंगा तथा अन्त में स्वतः ठीक हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन से प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। आपके संतान देखने में सुंदर एवं आकर्षक होंगे तथा अपने कार्यक्षेत्र में सामान्यतया सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेगे। साथ ही वृद्धावस्था में वे आपकी सेवा करेंगे तथा किसी भी प्रकार कष्ट नहीं होने देंगे। आपको व्यापार आदि में सरकार द्वारा टैक्स संबधी परेशानी हो सकती है। अतः इसके लेन देन में अपना हिसाब यथोचित तैयार रखें अन्यथा समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।

जिस जातक के जन्म काल में सूर्य पांचवे भाव में होता है, उसे अपने पहले पुत्र से विशेष लाभ नहीं होता, इसकी बुद्धि बहुत तेज होती है। यह व्यक्ति मंत्र-शास्त्र का ज्ञाता होता है। इसको दुसरों को गुमराह करने में आनंद आता है। यह जातक प्रमादी और बेधान होता है। इसको हृदयकी पिड़ा हो सकती है। यह संतान एवं धनिन होता है।

जिस जातक के जन्म समय में शुक्र पाँचवे भाव में होता है, उसे शीघ्र ही पुत्र प्राप्त होते है। धन भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होता है। इसे मंत्र सिद्धि होती है, यह काव्य कर्ता तथा मिष्टान्न भोगी होता है। यह जातक सुखी, पुत्रवान, मित्रों से युक्त, विलास प्रिय, अतीव धन सम्पन, सब तरह की वस्तुओं से भरा पूरा सरकारी अफसर हो सकता है। यह धनी, सौन्दर्य सम्पन्न, काव्य और कलाओं से सर्वथा युक्त होता है। यह जातक माता की सेवा करने वाला, स्त्री पुत्रों से युक्त होता है। इसको काव्य करने की शक्ति होती है तथा राज्य में सम्मान प्राप्त करने वाला होता है।

यदि किसी जातक के जन्म समय पांचवे भाव में और अच्छे ग्रह न होने से वह पुत्र-सुख

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

yee× , mevIeeve SJe 0eCe³e mecyev0e

प्राप्त नहीं कर पाता यह शुभ-कार्य नहीं कर पाता। धन का अभाव रहता है। इसकी मित्रों के साथ नहीं पटती।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

jeie, Me$e, meJekeÀ SJe ceecee

.

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप अनावश्यक चिन्ताओं तथा उत्तेजनाओं से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेंगे। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सीमित रूप से ही परिश्रम करना चाहिए क्योंकि क्षमता से अधिक कार्य करना आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। सामान्य रूप से आप वातपित्तोत्पन्न जुकाम आदि से कष्ट प्राप्त कर सकते है। वृद्धावस्था में श्वास आदि से परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही जोडों के दर्द से भी किंचित् परेशानी की आपको अनुभूति होंगी। अतः स्वास्थ्य के प्रित विशेष सतर्क रहें।

मंगल एक तेजस्वी तथा उग्र ग्रह है अतः आपको कभी भी अनावश्यक रूप में अपने कठोर वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा यत्नपूर्वक मधुर वाणी बोलनी चाहीए अन्यथा आप को कई प्रकार से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा आपके उन्नति मार्ग में शत्रु हंमेशा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। अतः आपका जीवन अत्यंत परिश्रम पूर्ण रहेंगा। आप बन्धु मित्र एवं सरकारी आधिकारियों से शत्रुता या विरोध का सामना कर सकते है. परंतु अपनी चतुराई, बुद्धिमत्ता से शत्रुपक्ष या विरोधियों का दमन करने में समर्थ रहेगे तथा आपकी परेशानियाँ भी दूर होंगी।

आपके अधिकाशं नौकर भी उग्र स्वभाव के होंगे तथा आपकी गुप्त बतों को वे अन्य जनों से कहकर आपके मान सम्मान में न्यूनता करेंगे। आप जीवन की खुशहाली पर अधिक व्यय करेंगे तथा इसी के कारण आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिससे आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है अतः आपको इन पर पूर्ण निगरानी रखनी चाहिए तथा इनके सामने कोई भी व्यक्तिगत वार्तालाप नहीं करना चाहिए। अतः सोच समझकर ही व्यय करना चाहिए।

मुकद्दमेबाजी की आपोको जीवन में यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकी इसस आपको लाभ की उपेक्षा हानि ही हो सकती है। साथ ही मामा मामी से भी आपको इच्छित सुख अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। तथापि आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। साथ ही आपको अधिक मिष्टान्न की उपेक्षा करनी चाहिए इससे आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

जिस जातक के जन्म समय में रहि छठवें भाव में होता है। वह शूर सुंदर मतिमान राजा जैसा मान्य और विद्वान होता है। इस जातक से शत्रु पराजित होते है। यह जातक विलासी होता है। इसे धन की प्राप्ति होती है। यह म्लेच्छों की संगति करता है तथा यह महान बली हो सकता है। यह जातक धैर्यवान व अतिसुखी होता है।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

ocHeele, eJeJeen SJe meePeoj

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप एक आकर्षक व्यक्तित्व के सुंदर सुशील एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे। साथ ही वें उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सौभग्य से युक्त होकर अपने दाम्पत्य जीवन को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे क्योंकि यह राशि द्विश्वाभाव राशि है। अतः जीवन में आपको विविधताएं पसंद रहेगी तथा इस का प्रदर्शन भी करेंगे। आपके विचार मस्तिष्क से संचालित होने के बाद भावनाओं में आते है। अतः आप सामान्यतया सांसारिक झंझटों से सुरक्षित रहेगे।

आप दोनों दम्पति बुद्धिमान होंगे तथा जीवन में एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख सहयोग प्रदान करेंगे परंतु कई बार आप अपनी इच्छा के विरूद्ध किसी कार्य को करना पसंद नहीं करेंगे अतः इससे तनाव या मतभेद उत्पन्न हो सकता है इस लिए ऐसी परिस्थितियों की पारिवारिक शांति तथा समृद्धि के वातावरण के लिए यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आपके लिए तुला कुम्भ तथा मेष लग्न के जातक जीवन साथी या व्यापार आदि में साझेदार बनने के लिए उपयुक्त रहेंगे। उससे आपका दाम्पत्य जीवन आनन्दमय रहेगा तथा व्यापार आदि में भी उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे। आप या आपके जीवन साथी एक से अधिक कार्यों के द्वारा धनार्जन करेंगे। साथ ही दलाली व्यापार सचिव तथा वकील के रूप में भी आप सफता प्राप्त कर सकते है। यात्रादि के द्वारा भी आजीविका या धनार्जन होगा। इसके अतिरिक्त आप का स्वभाव मिलनसार रहेंगा तथा समस्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों के साथ उनके स्नेहपूर्ण संबध रहेंगे। अतः आपका समय प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

onpe, yeecee, Dee³e SJe ole ìvee

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मकर राशि उदित हो रही था जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप व्यावहारिक तथा आधुनिक विचारधारा की व्यक्ति होंगी फलतः आध्यात्म, ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति आपकी कोइ विशेष श्रद्धा नहीं रहेंगी तथा जीवन में अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को स्वपराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। लेकिन जीवन में जुए आदि की आपको यत्नपुर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आप काफी व्यस्त रहेगे तथा मित्रों के कहने पर भी उपरोक्त विषयों के प्रति आपके मन में कोई रूचि उत्पन्न नहीं होंगी। आपको प्रचुर मात्रा में पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होंगी तथा शनैः शनैः इसका विस्तार करने में समर्थ रहेगे। इस प्रकार अपनी मेहनत एवं कार्यकौशल से आप एक धनवान व्यक्ति होंगे।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आवश्यक सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही ससुराल भी आर्थिकदृष्टि से सम्पन्न रहेगी। बीमा आदि करने से भी आपको लाभ होगा। अतः मकान गाड़ी या अनेय वस्तुओं का बीमा जरूर कराना चाहिए। यद्यपि इन में आपको हानि अधिक नहीं होंगी परंतु बीमा से प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। जीवन में आपकी कुंड़ली के अनुसार कोई चोरी या दुर्घटना का योग नहीं बन सकता। इसके प्रति आपको आवश्यक रूप से सतर्कता का पालन करना चाहिए। आपकी प्रवृत्ति काफी सजग रहेंगी। फलतः आप परेशानियों से सुरक्षित रहेंगे। आपकी आयु भी अच्छी होंगी तथा सामान्यतया आपका सांसारिक जीवन सुख पूर्वक व्यतित होगा।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

meeYeei³e, Ôeemee× , Hepee, G®®eeMe#ee SJe uecyee ³ee$eeS

आपके जन्म समय में नवम भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा धार्मिक साहित्य का रूचिपूर्वक अध्ययन करेंगे साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी हंमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। आप किसी विशिष्ट सिद्धि या उपलब्धि को अर्जित करने के लिए जीवन में सर्वदा यत्नशील रहेंगे जिसके द्वारा आपको समाज,में मान सम्मान धन एवं ख्याति अर्जित होंगी इसके साथ ही ज्यौतिष के प्रति आपकी श्रद्धा रहेंगी तथा आपको इसका न्यूनाधिक ज्ञान अवश्य रहेंगा।

ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रहेंगा। अतः कई बार आप कार्य की अपेक्षा भाग्य को अधिक महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही अपने इष्टदेव की नियमित पूजा करेंगे तथा परिवार में समय समय पर धार्मिक अनुष्ठानों को सम्पन्न करते रहेंगे। आपके विचार से भाग्य की प्रबलता के बिना कोई भी सफलता असंभव सी है तथा सौभाग्य से ही मनुष्य जीवन में विशिष्ट सफलताएं अर्जित कर सकते है। आपके विचार में ऐसा करने से बच्चों के संस्कारों में वृद्धि होती रहेंगी। इसके इतिरिक्त समय समय पर तीर्थ यात्राएं भी करेंगे तथा साधु महात्माओं के संगति से आपको प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि प्राप्त होंगी।

आपकी व्यावसायिक तथा आनन्ददायक लम्बी दूरी की यात्राएं सम्पन्न होंगी तथा इनसे आपको काफी ज्ञानार्जन भी होंगा। इसके अतिरिक्त दैवी कृपा से धनार्जन करेंगे तथा रास्ता, बगीचा या तालाब तथा मन्दिर आदि परोपकार संबधी कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे। साथ ही आतिथियाभाव भी आप में विद्यामान रहेंगा। पौत्रों से भी आपको इच्छित सुख प्राप्त होंगा। वास्तव में आप इस जीवन में जो भी आनंद या उपलब्धि अर्जित करते है वह पूर्वजन्म के पुण्यों का ही प्रभाव है। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

eHeIee, J³eJemee³e, SJe meeceeepekeÀ mIej

आपके जन्म समय में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिता जी एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा उनका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेंगा तथा उनकी प्रवृत्ति भी धार्मिक रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को वे परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगे।

आपकी तंत्र मंत्र एवं ज्योतिष शास्त्र में श्रद्धा रहेंगी साथ ही इनका आपको न्यूनाधिक ज्ञान भी होगा। व्यवसाय के लिए आप विज्ञान, लेखा, या बैंककर्मचारी के रूप में अपनी आजीविका प्रारंभ कर सकते है। अपनी सक्रियता, परिश्रमशीलता एवं उद्यमी प्रवृत्ति से जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे। तथा इनसे आपको आनंद की अनुभूति होंगी। इससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं सम्मान प्राप्त होंगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं, प्रशासनिक एवं प्रबन्ध के क्षेत्र में भी आपकी आजीविका हो सकती है। आपके जीवन में समय समय पर महत्वपूर्ण परिवर्त होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप शेयरब्रोकर या वकील आदि के व्यवसाय से भी धनार्जन करने में सफल हो सकते है।

आप धनार्जन के लिए नवीन कार्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रहेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त होंगी। इसके अतिरिक्त आप धार्मिक प्रवृत्ति से युक्त, सज्जनों की सेवा करने वाले, परोपकारी, तीर्थाटन शील तथा आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होकर अपना जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे। साथ ही सरकार एवं सरकारी अधिकारियों से भी आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

जिस जातक के जन्म समय में चंद्रमा दसवे भाव में होता है, वह धर्मात्मा होता है। इसको राज्य सुख प्राप्त होता है, यौवनावस्था में इसे बहुत सुख मिलता है। इस मनुष्य का अपने बड़े पुत्र से अच्छा सम्बन्ध नहीं रहता। इस जातक को रमणियों से अत्यन्त सुख मिलता है। यह मनुष्य सर्वत्र विजय पाता है, जिस काम को हाथ में लेता है, उसमें इसे पूरी तरह सफतला प्राप्त होती है। यह श्वसुर के घर से धन प्राप्त करने वाला होता है।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

ueeYe, ece$e, meceepe, p³e ÿ ceeIee SJe DeekeÀe#eeS

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन में इच्छाओं की बहुलता रहेंगी। अतः आप में वृद्धि होंगी तथा आर्थिक समृद्धि बनी रहेंगी। साथ ही इनकी पूर्ति अपने पराक्रम एवं परिश्रम के द्वारा अधिकांश मात्रा में करने में सफल रहेंगे। आप में संगठनात्मक शक्ति विद्यमान रहेंगी तथा अन्य लोगों को नियंत्रित तथा संगठित करके उनसे कार्य करवाने में समर्थ रहेगे। अतः आप प्रबन्धक, प्रशासनिक या रक्षा संबन्धी विभागों में कार्यरत हो सकते है अथवा जीवन में इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होंगा। बड़े भाइयों से जीवन में आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होगा तथा वे अपने स्नेहयुक्त व्यवहार से आपको प्रसन्न रखेंगे तथा आप उनका पूर्ण मान सम्मान करेंगे।

आप अच्छे एवं अधिक मित्र मंडली को पसन्द करेंगे तथा आपके सभी मित्र उत्साही पराक्रमी निडर तथा शिक्षित रहेंगे। फलतः समाज या क्षेत्र में विख्यात रहेंगे एवं जीवन में स्वपराक्रम से किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को अर्जित करने में समर्थ रहेगे। यद्यपि आप स्वछन्द प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथापि अन्य जनों के साथ कार्य करने में आपको प्रसन्नता की अनुभूति होंगी। आप एक सामाजिक व्यक्ति होगे तथा क्षेत्र या समाज के सभी लोगों से आपके सम्पर्क रहेंगे तथा उनकी सेवा एवं भलाई करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे। परंतु यदा कदा बाएं कान की परेशानी से कष्ट प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपका सामान्य जीवन सुखऐश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

SAMPLE OF DCP4 IN HINDI

neeve, yev0eve, keÀpe, DeeJeeme Hee j JeIeve SJe cee#e

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सुखऐश्वर्य से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा विभिन्न जगहों से आपको धनार्जन होंगा लेकिन आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेंगी तथा धन को आप उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे। पारिवारिक जनों के स्तर खान पान रहन सहन वस्त्रादि पर भी आपका व्यय अधिक होंगा तथा भौतिक विलासमय साधनों पर भी आप दिल खोलकर व्यय करेंगे। साथ ही किसी ख्यातिप्राप्त कम्पनी में पूंजीनिवेश पर भी व्यय करेंगे जिससे भविष्य में आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा।

भौतिक उपकरओं से आपका घर सुसज्जित रहेंगा तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति होंगी। आपके जीवन में समय समय पर तीर्थयात्राएं भी होती रहेंगी तथा दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। आपकी सामान्य यात्राएं व्यापार या कार्यक्षेत्र से संबधित रहेंगी। साथ ही आप भ्रमण या पर्यटनस्थलों के भी सैर करने के उत्सुक होंगे। यात्राओं में आप सक्रिय रहेंगे फलतः इससे उचित मात्रा में लाभ एवं सम्मान प्राप्त होंगा।

आपकी विदेश संबधी यात्रा भी सम्पन्न होंगी एवं इससे आपका भविष्य उज्जवल होगा। साथ ही काफी समय तक विदेश में प्रवास भी कर सकते है। इससे खुशहाली, ऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।